आ0शा0प0सं0–1143 / 15 / एक / 97

प्रेषक,

श्री एस0 आर0 लाखा
निदेशक / अध्यक्ष,
सूडा।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी / अध्यक्ष
जिला नगरीय विकास अभिकरण,
उत्तर प्रदेश।

नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम विभाग, लखनऊः दिनाँक–22 जुलाई, 2000

महोदय,

आप अवगत है कि भारत सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुसार राज्य नगरीय विकास अभिकरण, उ0प्र0 द्वारा विभिन्न योजनाओं का संचालन जनपद स्तर पर जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) के माध्यम से किया जा रहा है। इन कार्यक्रम / योजनाओं के द्वारा मलिन बस्तियों में निवास कर रहे निर्धन व्यक्तियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराते हुए बस्तियों का सर्वांगीण विकास किया जा रहा है एवं मूलभूत सुविधायें उपलब्ध कराई जा रही है।

राज्य नगरीय विकास अभिकरण, उ0प्र0 द्वारा प्रदेश की मलिन बस्तियों के पर्यावरण को ''स्वच्छ एवं हरा–भरा'' (क्लीन एण्ड ग्रीन) रखे जाने के उद्देश्य से सघन वृक्षारोपण का कार्य करवाये जाने का निर्णय लिया गया है। इसके अन्तर्गत फलदार एवं हरे–भरे पेड़ों से स्वच्छ पर्यावरण निर्मित हो सकेगा वहीं दूसरी ओर फलदार वृक्षों से प्राप्त फलों एवं अन्य उत्पादों से क्षेत्रीय निवासियों को अर्थिक लाभ भी प्राप्त हो सकेगा। इस कार्य हेतु वृक्षों की आपूर्ति एवं उससे सम्बन्धित आवश्यक पेड़ / सामग्री वन विभाग एवं हार्टिकल्चर विभाग के निर्धारित मानकों / दरों पर प्राप्त की जायेगी। इस पर व्यय होने वाली धनराशि को प्रतिपूर्ति स्वर्ण जयन्ती शहरी रोजगार योजना की उपयोजना असिस्टेन्ट टू कम्यूनिटी स्ट्रक्चर / राष्ट्रीय मलिन बस्ती सुधार कार्यक्रम द्वारा की जायेगी। यह आवश्यक है कि इस अभियन में आर0सी0वी0 एवं सी0डी0एस0 (सामुदायिक विकास समितियों) का विशेष योगदान प्राप्त कर उनकी पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित की जाये। पर्यावरण सुधार के व्यापक उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए मलिन बस्ती का प्रत्येक परिवार एक वृक्ष अनिवार्य रूप से लगाये एवं उसकी अभिरक्षा भी सुनिश्चित करें यह जागरूकता भी सी0डी0एस0 द्वारा व्यापक रूप से प्रसारित की जायेगी। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में, ऐसे विभाग जो इससे सम्बन्धित कार्य कर रहे हैं का अभिसरण (कन्वरजेन्स) भी अवश्य प्राप्त किया जाये तथा कार्य की प्रगति निर्धारित प्रारूप पर पूर्ण पर नियमित रूप से सूडा एवं शासन की उपलब्ध करायी जाये।

अतः आपसे अनुरोध है कि पर्यावरण सुधार के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम को तद्नुसार क्रियान्वित कराने का कष्ट करें जिससे मलिन बस्तियों के साथ–साथ जनपद का पर्यावरण भी स्वच्छ एवं हरा–भरा हे सके।

भवदीय

(एस0आर0 लाखा)
अध्यक्ष / निदेशक
सूडा